

29.6.15

पंजाबली आरत राज ल्या लोड अहालत। उच्च  
 होई भागियान कु लराचल वा वेव इन्  
 वाही वं प्रालिवाहीगत अनुपल्लिम रहने  
 से प्रकृत रूप होई मे लियानाडर जाली  
 डा अचलो कुन थिया जया। वाह्यस्त आरती  
 हे वाही एवं प्रालिवाही संख्या 2 व 3 बाले-  
 हत अहालत है। वाही हा उचन है कि  
 प्रालिवाही संख्या 1 डा वाह्यस्त आरती  
 से होई लेना हना नही है। डिग भी  
 वाही एवं प्रालिवाही<sup>293</sup> के कुजो इगत में  
 हरबंजरी येहा कुदते है प्रालिवाही संख्या  
 1 वं प्रकृत रूपना अनुपल्लिम रहे है वाही  
 वाह्यस्त आरत नियत से अलगा प्रकृतगत  
 है एवं प्रालिवाही संख्या 1 उनउ कुजो  
 काश में छिरी प्रकृत वी वं वसंजरी येहा  
 कुं यह उचित प्रतीत नही लेता है कुल।  
 वाही डा वाह लवीडां थिये जत्ये अल्प  
 प्रतीत होला है अतः उपरोक्त विषयन  
 के आधा पर वाही डा वाह लवीडां  
 थिया जाना है एवं मोजा बोरवाली  
 माहरी पलवां रेश कुमाल लललीन  
 गोरुच वी आरती नम्बर 1542  
 रूबवा 0.0100 एवं 2208 रूबवा 0.0800  
 अर्थ में वाही एवं प्रालिवाही संख्या  
 2 व 3 के कुजो इगत में छिरी  
 प्रकृत वी वं वसंजरी नही कुन  
 अघां प्रालिवाही संख्या 1 से (वाची  
 निषेधाज्ञा से वं वसंजरी थिया जाना है)  
 पंजाबली निर्मित होहा संख्या संकृत है।  
 लिखि हुनाया जया।

उपखण्ड अधिकारी  
 मांगुन्दा जिला उदयपुर

न्या  
 वासीन जिक  
 कदन  
 मीहन  
 बाजपु  
 मापड  
 ह मुकदमा अ  
 वी की ओर से  
 मीजा  
 की आर  
 0.0800  
 प्रकृत  
 प्रालिवाही  
 जाता  
 र इस वाद के  
 वसूली की तारी  
 यहा  
 यह आज  
 से हस्ताक्षर से  
 वाद पत्र के लिये  
 स्टाम्प वकालत  
 प्रदर्शों के लिये  
 महनताना वकील  
 खर्चा गवाह  
 फीस कमिश्नर  
 आदेशित की तार  
 विविध खर्चे